मुख्यमंत्री ने की थी 32 योजनाओं की घोषणा, कैबिनेट से मिली स्वीकृति, 10,871.68 करोड़ होंगे खर्च

# गंगा के सात पुलों से जुड़ेगा जेपी गंगा पथ, नहीं लगेगा टोल टैक्स

**7,561 करोड़ से 142 किमी लंबा हो जाएगा जेपी गंगा पथ, सिटी रोड, की तरह किया जाएगा इस्तेमाल**

**1 लाख पौधे लगाए जाएंगे जेपी गंगा पथ के दक्षिण दीघा से सभ्यता द्वार के बीच, स्वच्छ होगा पर्यावरण, लोगों को मिलेगी राहत**

**52.28 करोड़ रुपये की योजना को भी मिली स्वीकृति, पीएमसीएच से एम्स तक पहुंचना हो जाएगा आसान**

जेपी गंगा पथ को सात पुलों से जोड़ने की योजना जल्द उतरेगी धरातल पर। जाम से मिलेगा छुटकारा ● जागरण

जागरण संवाददाता, पटना : जेपी गंगा पथ के पूरब में मोकामा और पश्चिम में कोइलवर पुल तक विस्तार होगा। इसकी कुल लंबाई 142 किलोमीटर होगी। यह पटना में गंगा के सभी सात बड़े पुलों, कोइलवर पुल, शेरपुर दिघवारा पुल, जेपी सेतु, गांधी सेतु, कच्ची दरगाह-बिदुपुर सेतु, बख्तियारपुर-ताजपुर सेतु व राजेंद्र सेतु से जुड़ेगा। मोकामा से कुछ आगे तक यह जाएगा। इससे उत्तर एवं दक्षिण बिहार के बीच का आवागमन आसान होगा। पूरे क्षेत्र में व्यावसायिक गतिविधियां बढ़ेंगी। यह किसी नदी के किनारे देश का पहला इतना लंबा मार्ग होगा। इसके लिए 7,561.31 करोड़ की राशि स्वीकृत की गई है। इसे सिटी रोड के रूप में इस्तेमाल किया जाएगा। बड़ी बात यह कि इस मार्ग पर न तो बड़े व मालवाहक वाहनों को प्रवेश नहीं दिया जाएगा और टोल टैक्स भी नहीं लगाया जाएगा।

**पटना हाट में मिलेंगे बिहार के प्रमुख उत्पाद** : जेपी गंगा पथ के दक्षिण दीघा से सभ्यता द्वार के बीच वाले स्थान के सुंदरीकरण और नागरिक सुविधाओं के लिए 387.4 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई है। इस स्थान पर एक लाख पौधे लगाए जाएंगे। वनस्पति उद्यान, वाकिंग व साइकिल ट्रैक, चिल्ड्रन पार्क, तितली पार्क का निर्माण कराया जाएगा। गांधी मैदान के निकट एकता भवन परिसर में पटना हाट एवं पार्किंग का निर्माण होगा। इसपर 61.34 करोड़ रुपये खर्च होंगे। हाट में बिहार के सभी प्रमुख उत्पादों की बिक्री होगी। वहीं, सभ्यता द्वार को पूरब की ओर नवनिर्मित पक्के गंगा घाट और पश्चिम में एकता भवन से जोड़ा जाएगा।

**318.51 करोड़ से निखरेगी पश्चिमी पटना की सूरत** : रूपसपुर नहर से सगुना मोड़ तक नेहरू पथ के दोनों ओर भूमिगत नाले पर सड़क निर्माण कर चौड़ीकरण होगा। 318.51 करोड से क्रियान्वित होने वाली यह परियोजना तेजी से विकसित हो रहे पश्चिमी पटना क्षेत्र में यातायात व्यवस्था सुधारने में काफी सहायक होगी। पूरे क्षेत्र का सुंदरीकरण भी होगा। दानापुर में नेहरू पथ से गोला रोड का चौड़ीकरण 21.34 करोड़ से किया जाएगा। खगौल-नेहरू पथ-अशोक राजपथ तक रूपसपुर नहर पथ का चौड़ीकरण एवं निर्माण किया जाएगा। यह दानापुर-बिहटा एलिवेटेड पथ से जुड़ेगा। इससे बड़ी आबादी लाभान्वित होगी।

**अशोक राजपथ से जुड़ेगा राजीवनगर व आनंदपुरी नाले पर बनने वाला मार्ग** : राजीवनगर नाले को पाट कर कुर्जी में अशोक राजपथ तक अटल पथ होते हुए 4.26 किलोमीटर लंबी चार लेन सड़क का निर्माण 180.99 करोड़ रुपये से कराया जाएगा। इससे क्षेत्र की बड़ी आबादी को आवागमन में सुविधा होगी। जाम, गंदगी और बदबू से लोगों को मुक्ति मिलेगी और पटना का एक छोर दूसरे से जुड़ जाएगा। इसी तरह आनंदपुरी नाले पर 4.05 किलोमीटर लंबी सड़क बाबा चौक से अटल पथ होते हुए राजापुर पुल तक 91.27 करोड़ रुपये से बनेगी। मंदिरी नाले पर निर्माणाधीन चार लेन सड़क को जेपी गंगा पथ से जोड़ा जाएगा। इससे नेहरू पथ का सीधा संपर्क जेपी गंगा पथ से हो जाएगा। इससे पीएमसीएच से एम्स तक पहुंचना आसान होगा। इसके लिए 52.28 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

### तीन वर्ष में बदलेगी सूरत 25 वर्षों की दूरदृष्टि

कुल मिलाकर यह कि आमजन की जरूरत और पटना शहर के तेजी से हो रहे विस्तार को देखते हुए 25 वर्षों की दूरदृष्टि रख योजनाएं बनाई गईं हैं। दो से तीन वर्षों में पटना बदला दिखेगा। जेपी गंगा पथ से नेहरू पथ तक की सूरत निखरेगी। कई नई सड़कें बनेंगी, जो शहर की यातायात व्यवस्था में विशेष परिवर्तन लाएगी। उन क्षेत्रों में भी सड़क, पुल, सुंदरीकरण जैसे कार्य किए जाएंगे, जिधर शहर का विस्तार हो रहा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रगति यात्रा के दौरान 21 फरवरी को 32 योजनाओं की घोषणाएं की थीं। इसके तीन-चार दिनों बाद ही कैबिनेट से उन सभी योजनाओं को स्वीकृति दे दी गई। इनके क्रियान्वयन पर कुल 10,871.68 करोड़ खर्च होंगे। अब जिला प्रशासन का प्रयास है कि रिकार्ड से रिकार्ड समय में इनका कार्यान्वयन कर दिया जाए ताकि जनता को समय पर इसका लाभ मिल सके। इसकी प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।